6. प्रबन्ध काव्य किसे कहते हैं ?

7. 'पञ्चचामर' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

8. आचार्य हेमचन्द्र के अनुसार सद्गुणों को संक्षेप में समझाइये।

9. रहस्यवाद पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. महापुराण के अन्तर्गत नाभेयचरिउ का विशद वर्णन कीजिए।

11. नयनन्दी कृत सुदंसणचरिउ जीवन मूल्यों के प्रति एक समर्पित काव्य है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

12. 'पाहुडदोहा' के आधार पर आत्मतत्त्व पर विषय पर एक निबन्ध लिखिए।

13. 'सावयधम्मदोहा' के आधार पर श्रावक के धर्मों का विवेचन कीजिए।

DAL–02

December – Examination 2022

Diploma in Apabhransha Language Examination

अपभ्रंश भाषा में डिप्लोमा

(अपभ्रंश गद्य-पद्य एवं छन्द का विवेचन)

Paper : DAL–02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) कलिकाल सर्वज्ञ किसे कहा जाता है ?

   (ii) 'सावयधम्म' दोहा के प्रणेता कौन हैं ?

निम्नलिखित गाथाओं को पूरा कीजिए :

(iii) तिलहं ..... होन्ति॥

(iv) ते ..... थिरु बन्धि॥

(v) अपभ्रंश भाषा के रहस्यवादी मुक्तक काव्य का नाम लिखिए।

(vi) अपभ्रंश भाषा के महाकाव्य का नाम लिखिए।

(vii) 'सुदंसणचरिउ' की रचना किस विक्रम संवत में की गई ?

(viii) सन्देशरासक के अनुसार विरहिणी किस नगर की है ?

(ix) 'विउसीहे पुत्त-बहूहे कहाणगु' किस ग्रन्थ से लिया गया है ?

(x) 'सन्देशरासक' के प्रणेता कौन हैं ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गाथा का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

(अ) जो गुण गोवइ अप्पणा पयडा करइ परस्सु।

तसु हउँ कलि-जुगि दुल्लहहो बलि किज्जउं सुअणस्सु॥

(ब) पुणु पुणु पणविवि पंच-गुरु भावेँ चित्ति धरेवि।

भट्टापहायर णिसुणि तुहुँ अप्पा तिविहु कहेवि॥

3. परमात्म प्रकाश के आधार पर ज्ञानी व्यक्ति की क्रिया किस प्रकार की होती है ? स्पष्ट कीजिए।

4. पाउड दोहा के आधार पर सन्त की विशेषताएँ लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्य का हिन्दी में अनुवाद एवं व्याकरणिक विश्लेषण लिखिए :

(अ) एक्कया सा नियघर समीववासिणीहे खत्तियाणिहे घरि गम्मिपिणु कहेइ—हे पियसहि। तुहुँ तुज्झ भत्तारहो सव्वु वत्थभुसु मज्झु अप्पि, महु किं पि पओयणु अत्थि। ताए खत्तियाणीए अप्पहो पिआसु असिसहिए सिवेढण, कड्डिपट्टाई, सुहडवेसु सव्वु समप्पिउ। सा गहेवि गेहि गया।

(ब) जेइयहुँ सा ससुर गेहि आगया तइयहुँ ससुराइ धम्महु विमुहु देक्खेवि ताइ बहुदुहु संजाउ। कह मज्झु नियवय निव्वाहु होसइ ? कहं वा देवगुरुहं विमुहहं ससुराइ धम्मोवएसु भवेसइ। एवं सा वियारेइ।